MPS

राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(एम.ए. प्रथम वर्ष)

जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्र के लिए

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

एम.ए. (राजनीति विज्ञान)
प्रथम वर्ष
अनिवार्य पाठ्यक्रम

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है कि राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अनिवार्य पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। इस पुस्तिका में राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं।

सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही, सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ।** जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरण : हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें।

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2021 सत्र के लिए	31 मार्च, 2022	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी, 2022 सत्र के लिए	30 सितम्बर, 2022	

शुभकामनाओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

एमपीएस–001 : राजनीतिक सिद्धान्त
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-001
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2021-22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. आधुनिक राजनीतिक सिद्धान्त पर एक लेख लिखिए।

2. जॉन रॉल्स के न्याय सिद्धान्त को आकार प्रदान (configure) कीजिए।

3. उदारवादी चिंतन में दायित्व और अधिकारों के अंतःसंबंध का परीक्षण कीजिए।

4. राज्य के मार्क्सवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

5. नागरिकता की संकल्पना के विकास को रेखांकित कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) फासीवादी विश्व दृष्टि
   ख) ज़ेंडर–लिंग विभेद

7. क) सविनय अवज्ञा
   ख) कड़ी का सबसे कमजोर जोड़ (वी. आई. लेनिन)

8. क) रूढ़िवाद
   ख) वैश्वीकृत विश्व में राजनीतिक सिद्धान्त

9. क) नव–उदारवादी विचारधारा
   ख) सर्वहारा वर्ग की तानाशाही

10. क) व्यक्तिवाद
    ख) अलगाववाद

एमपीएस–002 : अन्तर्राष्ट्रीय संबंधः सिद्धांत एवं समस्याएँ
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-002
सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/टीएमए/2021-22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. आत्मनिर्णय की अवधारणा और उसके अनुप्रयोग में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

2. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के अर्थ की व्याख्या कीजिए। यह सीमा सुरक्षा को कैसे प्रभावित करता है?

3. क्या आप समझते हैं कि दुनिया एकध्रुवीय, द्विध्रुवीय या बहध्रुवीय है? वर्तमान पस्थितियों की व्याख्या कीजिएं।

4. नृ–जातीयता क्या है? नृ–जातीय युद्धों के कारणों की व्याख्या कीजिए।

5. हजारों लोग राज्यविहीन हैं। विश्व में शरणार्थियों के दर्द और यातनाओं की व्याख्या कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मानव सुरक्षा और न्याय
   ख) लोकतांत्रिक शांति सिद्धान्त
7. क) विश्व व्यापार संगठन की भूमिका
   ख) मानवाधिकार के मुद्दे
8. क) हथियारों की होड़ और महाशक्ति
   ख) परमाणु अप्रसार संधि
9. क) अर्न्तराष्ट्रीय संबंधों के प्रति मार्क्सवादी दृष्टिकोण
   ख) रचनावादी दृष्टिकोण
10. क) मध्य एशिया के राज्य
    ख) स्वदेशी आंदोलन

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2021-22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. चर्चा कीजिए कि किस प्रकार लोकतंत्र और विकास एक दूसरे से सह–संबंधित हैं।

2. भारत में संघीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली का विश्लेषण कीजिए।

3. भारतीय लोकतंत्र में 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के महत्व की चर्चा कीजिए।

4. भारत में संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः

   क) नक्सलबाड़ी किसान विद्रोह
   ख) मानव विकास के संकेतक

भाग – II

6. भारत में मजदूर वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

   क) भारतीय लोकतंत्र में जाति
   ख) जैंडर और विकास

8. भारत में क्षेत्रवाद के फैलाव के कारकों की चर्चा कीजिए।

9. भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

    क) पलायन के आर्थिक परिणाम
    ख) भारत में पहचान की राजनीति

एमपीएस–004 : तुलनात्मक राजनीति : मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-004
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2021-22
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. तुलनात्मक पद्धति क्या है? राजनीति के अध्ययन में तुलनात्मक पद्धति के महत्व और सीमाओं का परीक्षण कीजिए।

2. तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन में राजनीतिक अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण क्या है? व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार इसे राजनीतिक विश्लेषण में लागू किया जाता है।

3. किसी राज्य की आंतरिक कार्यप्रणाली पर वैश्वीकरण के प्रभावों की चर्चा कीजिए।

4. राष्ट्रवाद से आप क्या समझते हैं? राष्ट्रीय पहचान के बुनियादी लक्षणों का वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिएः

   क) नागरिक समाज और उसका महत्व।
   ख) संविधानवाद।

भाग – II

6. 'दुनिया में कहीं भी गरीबी हर जगह समृद्धि के लिए खतरा है'। टिप्पणी कीजिए।

7. राजनीतिक दल को परिभाषित कीजिए। एक लोकतांत्रिक राजव्यवस्था में राजनीतिक दल किस उद्देश्य की पूर्ति करते हैं?

8. पर्यावरणीय बहस में प्रमुख मुद्दों पर विकासशील देशों की स्थिति का वर्णन और मूल्यांकन कीजिए।

9. समुदाय क्या है? व्याख्या कीजिए कि क्यों और कैसे 'सामुदायिक पहचान' का निर्मित होती है।

10. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिएः

    कं) यूरोप में क्षेत्रीय एकीकरण।
    ख) राज्य का नारीवादी दृष्टिकोण।